उस्ताद मोहनुद्दीन खां ने सजाए सारंगी पर रघुपति राघव राजा राम के स्वर

सिटी रिपोर्टर.जयपुर

स्पिकमैके की ओर से शुक्रवार को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल मार्केटिंग में एक दिन का ओरिएंटेशन कोर्स आयोजित किया गया। सुबह से शाम तक चले इस कार्यक्रम में सारंगी वादक पद्मश्री उस्ताद मोइनुद्दीन खां, जयपुर घराने के नृत्य गुरु पं. राजेंद्र गंगानी और धपंग वादक यूसुफ खां ने कोर्स में आए प्रतिभागियों और स्टूडेंट्स के समक्ष लेक्चर डेमोस्ट्रेशन दिए और उन्हें संगीत व नृत्य से जुड़ी बातों के अलावा उनकी प्रस्तुतियों से भी रूबरू करवाया। शुरुआत उस्ताद मोइनुद्दीन खां की प्रस्तुति से हुआ। इस मौके पर उन्होंने सारंगी पर रघुपति राघव राजा राम की मधुर प्रस्तुति देकर देश की गंगा जमुनी तहजीब के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज देश में जिस तरह का माहौल है उसमें ऐसी प्रयासों की आवश्यकता है। इससे पहले उन्होंने समयानुकूल राग नट भैरव बजाया। उन्होंने इस राग की जानकारी देते हुए बताया कि राग नट भैरव, राग नट और राग भैरव से मिल कर बना है।

जीवंत की भगवान विष्णु के अवतारों की लीलाएं

दिल्ली में रहकर जयपुर घराने के नृत्य की साधना कर रहे राजेंद्र गंगानी का कथक नृत्य भी आकर्षण का केंद्र रहा। उन्होंने कथक के जयपुर घराने के गुरुओं और इसकी विशेषताओं की जानकारी देने के बाद भगवान विष्णु के विभिन्न अवतारों की लीलाओं को अपनी मुद्राओं से जीवंत किया।